सांस्कृतिक विरासत को समृद्ध करेंगे प्रदेश के 164 कालेज

महेन्द्र पाण्डेय ● लखनऊ

- सभी महाविद्यालय कल्चरल क्लब से जुड़े, 50-50 हजार रुपये मिलेगा अनुदान
- बीएसयू इन संस्थानों में देगा प्रशिक्षण, होंगे व्याख्यान संग सांस्कृतिक कार्यक्रम

भारतीय कला और संस्कृति का पूरी दुनिया में सम्मान होता है। इसकी जड़ें काफी गहरी हैं। इनकी गहराई का थाह अब युवा पीढ़ी लगाएगी, साथ ही सांस्कृतिक विरासत को समृद्ध करने में अपना योगदान देगी। इसके लिए प्रदेश के 164 महाविद्यालयों को कल्चरल क्लब योजना से जोड़ा गया है। भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय (बीएसयू) के संयोजन में इन सभी कालेजों में संस्कृति के संवर्धन से जुड़ी गतिविधियां की जाएंगी। चयनित संस्थानों को पहले सत्र (एक जुलाई से 30 जून के बीच) में 50-50 हजार रुपये का अनुदान भी दिया जाएगा।

कल्चरल क्लब में शामिल सभी महाविद्यालयों में भारतीय संस्कृति व कलाओं का अध्ययन किया जाएगा। व्याख्यान, प्रशिक्षण, जागरूकता कार्यक्रमों के साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। इसमें विशेषज्ञ और अच्छे

कलाकारों को भी आमंत्रित किया जाएगा। सभी महाविद्यालय प्रत्येक तिमाही में संस्थान में हुई गतिविधियों की प्रगति रिपोर्ट देंगे। इन संस्थानों को अगले सत्र में भी 30-30 हजार रुपये और अनुदान दिए जाएंगे। इसके लिए बीएसयू को 82 लाख रुपये की ग्रांट शासन से प्रदान की गई है।

कल्चरल क्लब से प्रदेश के महाविद्यालयों के जुड़ने से सांस्कृतिक विविधता के बारे में विद्यार्थी अवगत होंगे। क्लब के तहत सांस्कृतिक कार्यक्रम, प्रशिक्षण व अन्य गतिविधियां भी की जाएंगी। इसके लिए शासन से विश्वविद्यालय को 82 लाख रुपये ग्रांट मिली है।

-प्रो. मांडवी सिंह, कुलपति, भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय

अब आवेदन करने वालों को अगले सत्र में अवसर

योजना में राजकीय व सहायता प्राप्त अशासकीय महाविद्यालय ही चुने जा रहे हैं। योजना में न्यूनतम 20 कालेजों को चयनित किया जाना था, लेकिन इनकी संख्या बढ़कर 164 हो गई है। इस शैक्षिक सत्र में जितने आवेदन और आएंगे, उन्हें अगले सत्र में योजना में शामिल किया जाएगा। आवेदन पत्र www.bhatkhandeuniversity.ac.in से डाउनलोड किया जा सकता है। 20 अप्रैल तक आवेदन पत्र क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी, सेक्टर एम आशियाना को भेजना होगा। ईमेल roadsafety695@gmail.com से भी भेज सकते हैं।